चीनी निर्यात सीमा तय होगी, खाद्य तेल पर सीमा शुल्क नहीं

महंगाई पर काबू के लिए केंद्र की कवायद : कच्चे सूरजमुखी-सोयाबीन तेल आयात पर मार्च 2024 तक नहीं लगेगा टैक्स

नई दिल्ली। महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार गेहूं की तरह चीनी निर्यात पर भी प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। इसके साथ, सरकार ने सालाना 20 लाख टन कच्चे सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के आयात पर सीमा शुल्क एवं कृषि इन्फ्रा सेस को मार्च, 2024 तक हटा दिया है।

वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि अगले वित्तीय वर्ष तक दोनों तेलों पर आयात शुल्क नहीं लगेगा। इससे खाद्य तेल की घरेलू कीमतें घटेंगी और महंगाई पर काबू पाने में मदद मिलेगी। उधर, चीनी निर्यात पर सूत्रों का कहना है, सरकार छह साल में पहली बार निर्यात की सीमा तय कर सकती है। संभव है कि सरकार इस सीजन

01 करोड़ टन की चीनी निर्यात सीमा तय कर सकती है सरकार

में निर्यात एक करोड़ टन पर सीमित कर दे। चीनी उद्योग संगठन इस्मा का कहना है, इस बार रिकॉर्ड 90 लाख टन चीनी का निर्यात हो सकता है। एजेंसी

3 रुपये लीटर सस्ता होगा सोयाबीन तेल

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने बताया, मार्च, 2024 तक कुल 80 लाख टन कच्चा सूरजमुखी और सोयाबीन तेल बिना सीमा शुल्क के आयात होगा। इससे ग्राहकों को राहत मिलेगी। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक बीवी मेहता ने कहा कि सोयाबीन तेल के दाम 3 रुपये प्रति लीटर तक घट सकते हैं।

चीनी उत्पादन बढ़ने से भी घटेंगे दाम

चीनी उद्योग के संगठन इस्मा का कहना है, चीनी की मांग दुनियाभर में लगातार बनी हुई है। इस साल उत्पादन भी 14 फीसदी ज्यादा रहने का अनुमान है, जिससे कीमतों के मोर्चे पर कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

- **चीनी उत्पादन के मामले में महाराष्ट्र सबसे आगे है। यूपी दूसरे और कर्नाटक तीसरे स्थान पर है। तीनों की कुल उत्पादन में लगभग 80 फीसदी हिस्सेदारी है।**

और सस्ते होंगे पेट्रोल-डीजल

लोगों को राहत देने के लिए सरकार एक बार फिर पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क घटा सकती है। सूत्रों का कहना है कि इस कदम से सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जिसके लिए सरकार को बाजार से उधारी लेनी पड़ सकती है।